ब्लड कैंसर ठीक हुआ

गुरुदेव सियाग की तस्वीर का ध्यान करने से रोगी स्वस्थ हुआ, दिल्ली के एम्स अस्पताल की रिपोर्ट चौंकाने वाली, पहले जिन डॉक्टरों ने कहा था कि इसके बचने की कोई संभावना नहीं है, उन्होंने ही वापस कहा कि इसके कोई रोग नहीं।

सर्वप्रथम मैं परम पूज्य समर्थ सद्गुरुदेव, सिद्धयोग के चक्रवती सम्राट कल्कि अवतार श्री रामलाल जी सियाग एवं शिवावतारी बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी (ब्रह्मलीन) के चरण कमलों में अनंत कोटिशः साष्टांग दण्डवत प्रणाम करता हूँ जिनकी असीम कृपा से मुझ जैसे अकिंचन दास पर इतनी बड़ी कृपा दृष्टि हुई कि मेरा जीवन ही बदल गया। मैं मौत के मुँह से निकल कर वापस सुखमय जीवन जी रहा हूँ।

मैं अनिल कुमार हरिजन जिला अलवर का रहने वाला हूँ। मुझे पाँच माह पहले थोड़ा बुखार आया था तथा खाँसी हुयी थी। कुछ दिन तक तो सहन कर लिया लेकिन जब शरीर में बहुत ज्यादा कमजोरी आ गई तो मैंने स्थानीय डॉक्टर को दिखाकर दवाई ली किन्तु उससे कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने अलवर के जिला अस्पताल में डॉ. आर.सी गुप्ता को दिखाया। उन्होंने मेरी सम्पूर्ण जाँच कराकर जाँच देखने के बाद कहा कि यह रोग मेरे बस का नहीं है इसे आप जयपुर ले जायें। मेरे पिताजी ने मुझे जयपुर के S.S. Hospital में दिखाया तथा समस्त जाँच दुबारा से करायी, जिसमें 33 प्रतिशत ल्युकीमिया (ब्लड कैंसर) घोषित किया तथा कहा कि इसे आप घर ले जाओ, यह लड़का नहीं बच सकता। मेरे पिताजी मुझे लेकर घर आ गये। इसी दौरान मेरे दोस्त रूपेश चौधरी ने सुनील शास्त्री व्याख्याता (रा. भीमराज उ.मा.वि. बडौद अलवर) को हमारे घर पर बुलाया। शास्त्री जी ने हमें सद्गुरुदेव की मंत्र-सी. डी. दिखाई तथा ध्यान की विधि बताकर दोनों समय 15-15 मिनट सुबह शाम ध्यान करने तथा हर समय सघन नाम जप करने को कहा। चूंकि मेरा परिवार गरीब है। मेरे पिताश्री एक छोटी सी टेलर की दुकान करते हैं। अतः मेरे पास ध्यान करने के सिवाय कोई सहारा ही नहीं था, अतः मैं निरन्तर सद्गुरुदेव का ध्यान करने लग गया। हमने कहीं से कर्जा लेकर दिल्ली एम्स अस्पताल (AIIMS) में दिखाया, जहाँ पर चिकित्सकों से पुनः जाँच करायी, जहाँ पर डॉक्टर्स ने जाँच को देखकर जवाब दे दिया कि यह नहीं बचेगा और हमारी सन्तुष्टि के लिए मुझे भर्ती भी कर लिया। मेरे भाई ने सद्गुरुदेव की फोटो मेरी बैड पर लगा दी और मुझे ध्यान करने की प्रेरणा दी। जब चिकित्सक दौरे पर आते तो आपस में वार्तालाप करते कि इसके बचने की कोई उम्मीद नहीं है, किन्तु मैं अटूट श्रद्धा और विश्वास से मेरे सद्गुरुदेव का ध्यान करता रहा। परिणामस्वरूप मात्र दो माह बाद मेरी बीमारी ठीक हो गई। चिकित्सक जो ये कहते थे कि ये नहीं बचेगा वे ही ये कहने लगे कि ऐसा लगता है जैसे इसके कोई रोग ही नहीं हैं।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि उस वार्ड में प्रत्येक मरीज कम से कम छः माह रहता है और उसके पश्चात वह अन्तिम सांस वहीं पर लेता हैं लेकिन मैं दो माह में बिल्कुल स्वस्थ होकर आ गया। मुझे देखकर डॉक्टर्स कहने लगे कि यह तो आपके गुरुदेव का ही चमत्कार है जो आप स्वस्थ हो पाये। वहाँ से छुट्टी मिलने के बाद हम घर आ गये, जहाँ मुझे रात्रि को थोड़ा बुखार आता था तथा थोड़ी खांसी थी। सुनील शास्त्री ने गुरुदेव की लौंग दी जिसके सेवन से वो जड़ से खत्म हो गयी। अन्त में मैं सभी से यही कहना चाहता हूँ कि कलियुग में गुरुदेव कल्कि अवतार हैं जो अपने भक्तों का संकट हरने आये हैं तथा श्रीमद्भगवद् गीता वाली प्रतिज्ञा पूरी करने आये हैं अतः जितना जल्दी हो सके सद्गुरुदेव के शरणागत होकर हमें अपना उद्धार करना चाहिए।

नाम - अनिल कुमार पुत्र श्री सुभाषचन्द हरिजन
ग्राम -ढिस, पोस्ट-बड़ौद, तह - बहरोड़
जिला - अलवर (राज.)